NEERAJ®

आधुनिक पश्चिम का उदय–I

(The Rise of the Modern West–I)

B.H.I.C.-106

B.A. History (Hons.) - 3rd Semester

Chapter Wise Reference Book
Including Many Solved Sample Papers

Based on

C.B.C.S. (Choice Based Credit System) Syllabus of

I.G.N.O.U.

& Various Central, State & Other Open Universities

By: *Bhavya Gupta*

NEERAJ PUBLICATIONS
(Publishers of Educational Books)

Mob.: 8510009872, 8510009878 E-mail: info@neerajbooks.com
Website: www.neerajbooks.com

MRP ₹ 280/-

Content

आधुनिक पश्चिम का उदय–I

(The Rise of the Modern West–I)

Question Paper–June-2023 (Solved) 1

Question Paper–December-2022 (Solved) 1-2

Question Paper–Exam Held in July-2022 (Solved) 1

Question Paper–Exam Held in March-2022 (Solved) 1-2

Sample Question Paper–1 (Solved) 1

S.No.	Chapterwise Reference Book	Page

1. प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम का परिचय 1
(Introducing the Early Modern West)

2. सामंतवाद से पूँजीवाद में संक्रमण–विवाद–1 17
(Transition from Feudalism to Capitalism-debate-1)

3. सामंतवाद से पूंजीवाद की ओर संक्रमण–विवाद–2 31
(Transition from Feudalism to Capitalism-debate-2)

4. खोज की यूरोपीय समुद्री यात्राएं (15वीं और 16वीं शताब्दियाँ) 42
(European Voyages of Discovery)

5. आर्थिक प्रवृत्तियाँ : विस्थापन, नैरन्तर्य और रूपांतरण 55
(Economic Trends: Shifts, Continuities and Transformations)

6. वृक्षारोपण (बागान) अर्थव्यवस्था, दास श्रम और दास व्यापार 72
(Plantation Economies, Slave Labour and Slave Trade)

7. यूरोप में वाणिज्यिक क्रांति 84
(Commercial Revolution in Europe)

8. पुनर्जागरण काल : मानवतावाद, नए विचार और विज्ञान 96
(Renaissance: Humanism, Ideas and Science)

9. धर्म सुधार 107
(Reformation)

10. मुद्रण आधारित सार्वजनिक क्षेत्र का उद्‌भव 120
(Emergence of the Print Lead Public Sphere)

11. यूरोपीय राज्य प्रणाली 131
(European State Systems)

■■

Sample Preview of the Solved Sample Question Papers

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

QUESTION PAPER

June – 2023

(Solved)

आधुनिक पश्चिम का उदय-I

(The Rise of the Modern West–I)

B.H.I.C.-106

समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

भाग-I

प्रश्न 1. सामंतवाद से पूंजीवाद में संक्रमण पर वाद-विवाद का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-2, पृष्ठ-17, 'एक विवाद की शुरुआत'

प्रश्न 2. 15वीं-16वीं शताब्दी की यूरोपीय अर्थव्यवस्था की मुख्य प्रवृत्तियों की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-5, पृष्ठ-62, प्रश्न 3 तथा प्रश्न 4

प्रश्न 3. उन उद्देश्यों पर चर्चा कीजिए, जिनके कारण यूरोपीय लोगों ने 15वीं-16वीं शताब्दी के दौरान समुद्री यात्राएं शुरू कीं।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-4, पृष्ठ-46, प्रश्न 1

प्रश्न 4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए–

(क) हॉब्सबॉम (Hobsbawm) की असमान विकास की अवधारणा

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-2, पृष्ठ-20, प्रश्न 4

(ख) पुनर्जागरण (Renaissance) कला

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-8, पृष्ठ-98, 'कला और कला के रूप'

(ग) पुनर्जागरण काल के दौरान वैज्ञानिक उपलब्धियां

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-8, पृष्ठ-101, प्रश्न 4

(घ) 17वीं शताब्दी की चीनी (Sugar) क्रांति

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-6, पृष्ठ-76, '17वीं शताब्दी की चीनी क्रांति'

खण्ड-II

प्रश्न 5. क्या आप मानते कि 16वीं शताब्दी ने यूरोप में व्यापार के तरीके में एक प्रमुख बदलाव देखा व महसूस किया?

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-5, पृष्ठ-58, '16वीं शताब्दी में व्यापार और विनिमय'

प्रश्न 6. पश्चिमी निरपेक्षता (Western Absolutism) पर एक निबंध लिखिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-11, पृष्ठ-134, 'पश्चिमी निरंकुशवाद'

प्रश्न 7. मानवतावाद (Humanism) के विशेष संदर्भ में पुनर्जागरण से संबंधित विचारों के विकास पर चर्चा कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-8, पृष्ठ-97, 'मानवतावाद'

प्रश्न 8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए–

(क) पूर्वी निरपेक्षता (Eastern Absolutism)

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-11, पृष्ठ-137, 'पूर्वी निरंकुशवाद'

(ख) प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम की परिभाषित विशेषताएं

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-1, पृष्ठ-1, 'प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम को परिभाषित करती विशेषताएं'

(ग) वाणिज्यिक क्रांति का ग्रामीण आधार

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-7, पृष्ठ-85, 'वाणिज्यिक क्रांति का ग्रामीण आधार'

(घ) मार्टिन लूथर (Martin Luther)

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-9, पृष्ठ-108, 'मार्टिन लूथर और प्रोटेस्टेंट धर्म सुधार'

■■

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

QUESTION PAPER

December – 2022

(Solved)

आधुनिक पश्चिम का उदय-I

(The Rise of the Modern West–I)

B.H.I.C.-106

समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड-I

प्रश्न 1. प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम की मुख्य विशेषताएं क्या थीं?

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-1, पृष्ठ-1, 'प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम को परिभाषित करती विशेषताएँ'

प्रश्न 2. पुनर्जागरण (Renaissance) से आप क्या समझते हैं? साहित्य व दर्शन पर इसके प्रभाव का आकलन कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-8, पृष्ठ-99, प्रश्न-1, पृष्ठ-100, प्रश्न-2

प्रश्न 3. गाय बोइस (Guy Bois) के विचारों के विशेष संदर्भ में सामंतवाद से पूंजीवाद में संक्रमण की जाँच कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-3, पृष्ठ-34, प्रश्न-3

प्रश्न 4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए–

(क) 17वीं शताब्दी की चीनी (Sugar) क्रांति

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-6, पृष्ठ-76, '17वीं शताब्दी की चीनी क्रांति'

(ख) स्पेन में पश्चिमी निरपेक्षता (Absolutism)

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-11, पृष्ठ-134, 'पश्चिमी निरंकुशवाद–स्पेन'

(ग) प्रारंभिक आधुनिक यूरोपीय अर्थव्यवस्था में संक्रमण पर अनाल्स (Annales) विचारधारा

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-5, पृष्ठ-61, प्रश्न-2

(घ) मैकियावेली (Machiavelli)

उत्तर–मैकियावेली को सबसे पहला आधुनिक राजनीतिक चिन्तक कहकर मैक्सी ने पुकारा है। गैटैल के शब्दों में, 'मैकियावेली आधुनिक राजदर्शन का जनक था और सेबाइन के अनुसार सम्पूर्ण पुनरुत्थान मैकियावेली में आ गया है। जोन्स लिखते हैं। मैकियावली अपने समय का एक उत्कृष्टतम निचोड़ है। मैकियावेली के राजनीतिक चिन्तन को आधुनिक युग के प्रथम राजनीतिक होने का गौरव प्राप्त है, क्योंकि उसके विचार मध्ययुगीन परम्पराओं से सर्वथा भिन्न हैं।

मैकियावली का जन्म 1469 ई. में इटली के फलोरेन्स नगर में हुआ। उसके पिता एक वकील थे, जो टस्कन वंश से सम्बन्धित थे। यद्यपि उसको पर्याप्त शिक्षा तो प्राप्त नहीं हो सकी, फिर भी उसे लैटिन भाषा का अच्छा ज्ञान था। उसकी लेखनी में कला और शक्ति दोनों थीं। जीवन की व्यवहारकुशलता और धनार्जन की दौड़ में वह बहुत आगे थे। मैकियावली प्रारम्भ से ही फलोरेन्स की सत्ता में भाग लेना चाहते थे और उनका यह स्वप्न 1494 में 25 वर्ष की आयु में पूरा हुआ। इस समय उसने एक छोटा-सा प्रशासनिक पद प्राप्त करके अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की।

तत्पचात् अपनी राजनीतिक सूझ-बूझ के बल पर उसने 'चान्सरी' में सचिव पद प्राप्त हुआ। इस पद की बदौलत उसे राजनयिक कार्यों से सम्बन्धित मामलों में फलोरेन्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए यूरोप के कई देशों में जाने का अवसर प्राप्त हुआ, जहाँ बड़े राजनेताओं के सम्पर्क में आने पर उसने व्यावहारिक राजनीति का ज्ञान प्राप्त किया।

लुई बारहवें, विशप सोडेशी, सीजर बोर्गिया के साथ सम्बन्धों ने उसे महत्त्वाकांक्षी बना दिया और वह अवसरवादी राजनीति का प्रणेता बन गया।

1498 से 1512 ई. तक 14 वर्षों तक उसने 'Council of Ten for War' का सदस्य बनकर फ्लोरेन्स के सुरक्षा विभाग की सेवा की, लेकिन 1512 ई. में स्पेन समर्थकों द्वारा फलोरेन्स पर अधिकार कर लेने के बाद उसका पद छिन गया और उसे जेल भेज दिया गया। अब उसको सक्रिय राजनीतिक जीवन से छुटकारा मिल गया अर्थात् उसके राजनीतिक जीवन का अन्त हो गया। अब फ्लोरेन्स पर मेडिसी परिवार का आधिपत्य हो गया। जीवन के शेष 15 वर्ष उसने 'सैन कैशिसनो' नामक गाँव में समाज सेवा और लेखन कार्य करते हुए व्यतीत किए। उसने मेडिसी परिवार के तत्कालीन प्रशासक लोरेंजो

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

Sample Preview of The Chapter

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

आधुनिक पश्चिम का उदय–I
(The Rise of the Modern West–I)

प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम का परिचय
(Introducing the Early Modern West)

1

परिचय

प्रारंभिक आधुनिक शब्द का प्रयोग यूरोपीय इतिहास के संदर्भ में मध्य युग और आधुनिक इतिहास के बीच की अवधि का वर्णन करने के लिए किया जाता है। इसके अंतर्गत समाज अर्थव्यवस्था और लोकप्रिय संस्कृति का अध्ययन किया जाता है। आधुनिक पश्चिम के लिए आरंभ में पुनर्जागरण शब्द का प्रयोग किया जाता था, जिस पर अनेक विद्वान असहमत थे। धार्मिक सुधार आंदोलन ने यूरोप के बड़े भौगोलिक भाग को प्रभावित किया। प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम मध्य युग तथा आधुनिक पश्चिम के उदय के बीच का समय अंतराल है, जिसमें सामंतवाद से पूंजीवाद, हस्तशिल्प से मशीनी औद्योगिक उत्पादन, ऊर्जा के जीवाश्म ईंधन स्रोतों का उपयोग, धार्मिक एकरूपता से धर्मनिरपेक्षता, अंधकार युग से वैज्ञानिक तर्कसंगत युग में प्रवेश, विकेंद्रीकृत राज्य व्यवस्था से केंद्रीकृत साम्राज्य, प्रभुत्वशाली राजनीति से प्राकृतिक राजनीति एवं अधिकारों की स्वतंत्रता और समानता जैसी अवधारणाएं आदि सम्मिलित हैं।

अध्याय का विहंगावलोकन

प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम को परिभाषित करने की समस्याएं

प्रारंभिक आधुनिक काल की अवधि के संबंध में विभिन्न अवधारणाएं हैं। इसके अंतर्गत विभिन्न ऐतिहासिक अवधियों में समाज, संस्कृति, राजनीति और विचारों को अंतर्निहित एकता देने वाले समय को संदर्भित किया गया है। भाषात्मक दृष्टिकोण से प्रारंभिक आधुनिक समय उस दौर को कहा जाता है, जब आधुनिक को अंग्रेजी भाषा में प्रयुक्त किया गया। भौगोलिक दृष्टिकोण से भी प्रारंभिक आधुनिक के विषय में अनेक मत हैं। पश्चिम का इतिहास विभिन्न देशों का इतिहास है, जिसके अंतर्गत अनिरंतरता और विभाजन की शृंखला सम्मिलित है। यूरोपीय विदेशी उपनिवेशवाद 16वीं शताब्दी से 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध तक पश्चिम के इतिहास को संदर्भित करता है।

प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम को परिभाषित करती विशेषताएं

उदारवादी मानवतावाद के नए विचारों के उद्भव के परिणामस्वरूप प्राचीन ग्रीस और रोम के विद्वानों ने स्वयं को इतिहास और साम्राज्य के निर्माता तथा भाषा और ज्ञान के स्वामी के रूप में परिभाषित करना आरंभ कर दिया। इस अवधि में नव-प्राकृतिक अवलोकन प्रणाली तथा ज्ञान को उपकरण के रूप में प्रयोग करना विकासशील था। जोहान्स गुटेनबर्ग ने 1450 के दशक में मुद्रण का विकास। इसी समय सामंती व्यवस्था के अंतर्गत भू-स्वामियों की संख्या में कमी के साथ अर्थव्यवस्था संबंधित अनेक महत्त्वपूर्ण बदलाव देखे गए। सैन्य सेवा तथा अवैतनिक श्रम के बदले किसानों ने भूमि की बजाय वस्तु अथवा मुद्रा के रूप में लगान का भुगतान किया। धार्मिक क्षेत्रों में कैथोलिक चर्च की शक्ति को चुनौती दी गई, जिससे नए प्रोटेस्टेंट चर्च का प्रादुर्भाव हुआ। इसी समयावधि में यूरोपीय लोगों ने अन्य संस्कृतियों की खोज की, जिसमें क्रिस्टोफर कोलंबस के नेतृत्व में हुई यात्रा अत्यंत महत्त्वपूर्ण थी, जिससे अमेरिकी उपनिवेशीकरण का आरंभ हुआ।

एकल शक्ति केंद्र का अभाव

प्रारंभिक आधुनिक दौर तथा इसके बाद के पूर्ण आधुनिकता काल में कोई एक शक्ति दीर्घकालीन वर्चस्व प्राप्त करने में असमर्थ रही। सामान्य उद्देश्य वाली कोई राजनीतिक इकाई नहीं थी। पश्चिमी विश्व में नगर राज्य, छोटे क्षेत्रीय राज्य, क्षेत्रीय साम्राज्य तथा राष्ट्र राज्य का वर्चस्व रहा है। इस राज्य व्यवस्था में अर्थव्यवस्था, सामाजिक संरचना तथा संस्कृति से संबंधित अनेक मतभेद देखे गए

Neeraj Publications www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

हैं। पश्चिमी शक्तियों के बीच समय-समय पर युद्ध होते रहे परंतु 1648 के बाद ही एक प्रकार की शक्ति का संतुलन विकसित हुआ। चर्च और राज्यों के बीच संघर्ष के उपरांत भी एक समायोजन प्राप्त करने में सफल रहे।

नागरिक समाज की मजबूत परंपरा

नागरिक समाज की पृष्ठभूमि प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम में अत्यंत स्पष्ट हो गई थी। सामंतवाद के उपरांत भी शक्तियां कुलीन वर्ग के विरुद्ध अधिकार जीतने तथा सत्ता के सीमित केंद्रीयकरण की स्थापना में सफल रही। सामंतवादी व्यवस्था की दो मुख्य पहलें थीं–विकेंद्रीकृत सत्ता संरचना तथा पारस्परिक दायित्व की राज्य व्यवस्था। यही कारण था कि कुछ स्वायत्त राज्यों में निरंकुश राजशाही के उपरांत भी सत्ताधारी कुलीन संगठित नागरिक समाज समूह के साथ शक्ति साझा करने के लिए मजबूर हो गए। शासन अपने दायित्व के बदले अधीनस्थों को अधिकार देने के लिए बाध्य हुआ। प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम में नागरिक समाज आंदोलनों ने सामाजिक विकास की दिशा को नया आकार दिया। दीर्घावधि में इसका लोकतांत्रिक प्रभाव देखने को मिलता है। 17वीं से 19वीं शताब्दी के बीच कल्पनावादी आंदोलन भविष्य उन्मुख विचार को सामने लाने में सफल रहा।

व्यक्तिगत और सामूहिक के बीच प्रतिवाद

व्यक्ति के विचार का प्रादुर्भाव पश्चिम में हुआ। यह पश्चिमी दर्शन और नैतिकता का आधार था। व्यक्ति की धारणा राजनीतिक निहितार्थ पर आधारित थे। कालांतर में व्यक्ति की प्रमुखता उदारवाद तथा पूंजीवादी नैतिकता में रूपांतरित हो गई। धर्म सुधार के दौरान कैल्विन के व्यवसाय के विचार में इसका सार स्पष्ट किया गया। व्यवसाय की अवधारणा ईश्वर द्वारा निर्धारित धार्मिक अवधारणा थी। इसके विपरीत वेबर ने व्यवसाय को धर्म सुधार का परिणाम माना। व्यवसाय की अवधारणा में सांसारिक विषयों में कर्तव्य पूर्ति का मूल्यांकन सम्मिलित था, जो व्यक्ति की नैतिक गतिविधि के रूप में उच्चतम रूप ले सकता था। वेबर के अनुसार, लूथर ने सर्वप्रथम व्यवसाय की अवधारणा का विकास किया, परंतु यह अवधारणा पूंजीवादी भावना के अनुकूल नहीं थी।

एक वैश्विक उन्मुखीकरण का निर्माण और भौगोलिक अन्वेषण का युग

प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम में विश्ववादी दृष्टिकोण अपनाया गया। लोगों का रुझान मातृभूमि की अपेक्षा राजनीतिक और सांस्कृतिक इकाई के रूप में विश्व की अवधारणा की ओर हुआ। लोग देश के बाहर इकाइयों से परिचित हो रहे थे तथा दूसरों को भय, हमला करने, उपनिवेश बनाने, हावी होने अथवा दूर रखने के रूप में देखा जाता था। संस्कृतियां एक-दूसरे के लिए जिज्ञासु हो गई थीं। पश्चिमी विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के मुख्य पहलू अन्य सभ्यताओं से विशेषरूप से पूर्व और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों की संस्कृतियों से उद्धृत थे। पश्चिमी शक्तियों का औपनिवेशिक अभियान इसी समय आरंभ हुआ। प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम में परिष्कृत मानचित्र कला तकनीकी के विकास में दुनिया में वैश्विक सोच का प्रसार किया। अमेरिका की खोज पश्चिमी विश्व दृष्टि के गठन को आकार दिया। एशिया की अपेक्षा अमेरिका के साथ मुठभेड़ पश्चिम की व्यापक श्रेणी के उभरने का मार्ग खुल गया, जिससे यूरोप के स्थान और महत्त्व में कमी हुई। उनका प्रमुख उद्देश्य सोने और चांदी, मसाला व्यापार, सैन्य गौरव तथा ईसाई मान्यताओं का प्रसार था। नई भूमि तक पहुंच बनाने के लिए चीन में आविष्कृत चुंबकीय कंपास, यूनान की एस्ट्रोलैब और बेहतर मानचित्र, निर्माण विज्ञान सहायक उपकरण थे।

व्यापार, उपनिवेश और वाणिज्यवाद

पुर्तगाल और स्पेन के नेतृत्व में 15वीं और 16वीं शताब्दी में यूरोप में अमेरिका तथा अनेक पूर्वी देशों में व्यापार एवं उपनिवेश स्थापित कर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि की। उपनिवेशों ने वाणिज्यवाद के सिद्धांतों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके अनुसार किसी राष्ट्र की समृद्धि सोने, चांदी या बुलियन की आपूर्ति पर निर्भर थी। एक राष्ट्र द्वारा आयात तथा निर्यात के मूल्य में अंतर को व्यापार का संतुलन कहते हैं। अनुकूल संतुलन आयात पर निर्यात की अधिकता को संदर्भित करता है। सरकारों ने निर्यात उद्योग और व्यापार को बढ़ावा देकर, सड़कों, पुलों और नहरों के निर्माण द्वारा तथा नए उद्योगों को अनुदान प्रदान करके निर्यात को प्रोत्साहित किया। इसी प्रकार विदेशी आयात पर उच्च सीमा शुल्क दर लगाकर नियंत्रित करने का प्रयास किया गया।

दास व्यापार की वृद्धि

अन्वेषण के युग में 15वीं शताब्दी के उत्तरार्ध के दौरान दास प्रथा का उद्भव हुआ। बड़े कृषि क्षेत्रों में श्रम की मांग बढ़ने से अफ्रीकी देशों को ब्राजील और कैरेबियन भेज दिया गया। आने वाली दो शताब्दियों में दास व्यापार में कई गुना वृद्धि हुई तथा एक नई विश्व अर्थव्यवस्था का उद्भव हुआ। त्रिकोणीय व्यापार के स्वरूप ने यूरोप, अफ्रीका और एशिया तथा अमेरिका महाद्वीपों को जोड़ा। यूरोपीय व्यापारी जहाज द्वारा यूरोप में बने सामान का व्यापार दासों के समूह के बदले करते थे। दासों को अमेरिका ले जाकर बेच दिया गया। यूरोपीय व्यापारियों ने तंबाकू, चीनी और कच्चे कपास को खरीदकर यूरोपीय बाजारों में बेचने के लिए भेज दिया। 16वीं शताब्दी में लगभग 275000, 17वीं शताब्दी में एक मिलियन तथा 18वीं शताब्दी में छह मिलियन तक अफ्रीकी दास निर्यात किए गए। 16वीं से 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध तक 10 मिलियन अफ्रीकी दासों को अमेरिका ले जाया गया। ईसाई सुधारक समूह क्वेकर ने दास व्यापार का विरोध करना शुरू किया।

मुद्रण और सूचना संचार

प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम में साक्षरता का स्तर सीमित था, परंतु मुद्रणालय के विकास से साक्षरता के स्तर में विकास हुआ। उत्तर और उत्तर-पश्चिम यूरोप में साक्षरता का स्तर उच्च था।

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

यद्यपि, लिंग और व्यवसाय तथा संपदा के आधार पर साक्षरता में असमानताएं थीं। साक्षरता का स्तर व्यक्ति के काम तथा हैसियत से संबंधित था। प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम में संचार प्रणाली को परस्पर जोड़ा गया। पश्चिमी यूरोप नाविक नदियों, व्यापार मार्गों, मठों से विश्वविद्यालयों, अनुवाद, मानचित्र निर्माण, छपाई के प्रारंभिक विकास तथा कागज के निर्माण आदि की तकनीकों के विषय में जानकारी प्राप्त करने के लिए दुनिया के अन्य अनेक हिस्सों से जुड़ गया। सेजेल के अनुसार, आधुनिकता की पूंजीवादी संस्कृति संजाल तंत्रों पर आधारित थी, जिसके कारण प्रसार सरल हो गया।

प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम में सामाजिक संरचना

मध्यकालीन युग में समाज का गठन धार्मिक निर्देशात्मक व्यवस्था के आधार पर तीन प्रमुख सामाजिक वर्गों पादरी, कुलीन वर्ग तथा निम्न वर्ग के किसानों और कारीगरों के आधार पर किया गया था। संपदा शक्ति तथा संसाधनों के संबंध में प्रत्येक समाज के भीतर गहन अंतर थे। कुलीन वर्ग के अंतर्गत बड़े संपत्ति वाले राजाओं से लेकर छोटी जागीर वाले छोटे कुलीन तक शामिल थे। इसके अंतर्गत बड़ी संख्या में व्यापारी वर्ग तथा निर्माता सम्मिलित नहीं थे। डैनियल डेफॉ के अनुसार, महान, जो अतिव्यय से रहते हैं, अमीर, जो प्रचुरता से रहते हैं, मध्यक्रम, जो अच्छी तरह से रहते हैं, काम करने वाले व्यवसायी, जो कठिन परिश्रम करते हैं परंतु लगता है कि उनकी जरूरत कुछ नहीं, गांव के लोग किसान, जो उदासीनता से जीवन-यापन करते हैं, गरीब, वह मुश्किल से बसर करते हैं तथा दुखी, जो चुभन और अभाव की पीड़ा सहते हैं।

प्रारंभिक आधुनिक पश्चिमी समाज में सामाजिक कुलीन वर्ग अत्यंत महत्त्वपूर्ण रहा है, परंतु भूमि और संपदा के स्वामित्व के कारण समृद्धि व्यापारी, बैंकर आदि भी सामाजिक अभिजात्य वर्ग में सम्मिलित हो गए। समाज में धीमी गति से प्रमुख परिवर्तन हुए तथा पश्चिमी यूरोप में कृषि दासता कमजोर हो गई। समाज लिंग के आधार पर विभाजित हुआ, जहां पितृसत्तात्मक समाज में पुरुष महिलाओं की तुलना में अधिक शक्तिशाली से और व्यापार एवं राजनीतिक पर आधिपत्य स्थापित किए हुए थे, वहीं महिलाएं घरेलू कार्य तक सीमित थीं।

वाणिज्यिक क्रांति और इसके परिणाम

मध्ययुग की वाणिज्यिक क्रांति तथा आधुनिक पश्चिमी यूरोप की वाणिज्यिक क्रांति में पर्याप्त अंतर था। मध्ययुग में विदेशी मुद्रा बाजार के विकास तथा विनिमय बैंकों और विनिमय पत्रों का प्रयोग अत्यंत महत्त्वपूर्ण परिवर्तन लेकर आया। मध्य युग की वाणिज्य क्रांति के परिणामस्वरूप मेलों का बढ़ना, शहरों का भौतिक विस्तार पुस्तकों के उत्पादन में वृद्धि और जनसंख्या तथा शहरीकरण का विकास देखा गया। व्यापारी साख के लिए लंबी दूरी के व्यापार में लेन-देन की लागत में कमी के कारण खाते के धन का उपयोग तथा अंतर्राष्ट्रीय वित्त के प्रारंभिक साधनों का निर्माण हुआ।

सामाजिक संस्थाएं और विश्वविद्यालय

किसी सामाजिक परिवर्तन में संस्थाएं और संस्थागत परिवर्तन अत्यंत महत्त्वपूर्ण कारक होते हैं। प्रारंभिक आधुनिक काल में आर्थिक परिवर्तनों के अतिरिक्त विश्वविद्यालयों की स्थापना एक महत्त्वपूर्ण बदलाव था। पहला विश्व विद्यालय 11वीं शताब्दी में स्थापित किया गया। आने वाली 4 शताब्दियों में 50 और विश्वविद्यालय बने। औपचारिक कानूनी संस्थाओं तथा राज्य प्रशासनिक प्रणालियों के विकास में आर्थिक गतिविधियों की उन्नति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। यूरोपीय विश्वविद्यालय में तकनीकी परिवर्तन को मजबूत किया। यद्यपि, कई विद्वान इसे अतिरंजित मानते हैं। बोलोगना जैसे प्रारंभिक विद्यालय मध्यकालीन शिक्षा केंद्रों से जुड़े थे। विश्वविद्यालयों के बाहर उनके द्वारा दी गई शैक्षणिक डिग्री किसी विशेष पेशे का अभ्यास करने का अधिकार नहीं देती थी। कालांतर में विश्वविद्यालय की डिग्री आत्माओं के उपचार, कानूनी अभ्यास, सरकारी प्रशासन और चिकित्सा देखभाल तथा शिक्षा में लगे पेशेवर अभिजात्य लोगों का स्वरूप बन गई। कला, धर्मशास्त्र, कानून और चिकित्सा आदि क्षेत्रों में प्रारंभिक आधुनिक काल के विश्वविद्यालयों में शिक्षा प्रदान की और वास्तुकला, जहाज निर्माण, कृषि, पशु चिकित्सा और सैन्य प्रौद्योगिकी इससे अछूते रहे।

बोध प्रश्न

प्रश्न 1. आप प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम को कैसे परिभाषित करते हैं?

उत्तर–शब्द 'आरंभिक आधुनिक' अवधिकरण का एक उदाहरण है–पिछले समय के लंबे विस्तार को युगों या अवधियों में विभाजित करना। अवधियों को विभिन्न तरीकों से परिभाषित किया जा सकता है। एक, सम्राट या परिवार का शासन एक तरीका है–'ट्यूडर इंग्लैंड' उस समय को संदर्भित करता है, जब इंग्लैंड पर ट्यूडर परिवार के राजाओं का शासन था। इतिहासकार विशेष कालानुक्रमिक अवधियों के बारे में भी बात करते हैं, जैसे–'साठ का दशक', 1960 के दशक का जिक्र करते हुए। हालांकि, वास्तव में, अधिकांश इतिहासकार 1950 के दशक के उत्तरार्ध और 1970 के दशक के पहले वर्षों को शामिल करने के लिए इस अवधि को बढ़ाएंगे। तारीखों के प्रति यह थोड़ा लापरवाह दृष्टिकोण अवधिकरण के एक प्रमुख पहलू को दर्शाता है। प्रत्येक ऐतिहासिक काल में समाज, संस्कृति, राजनीति और विचारों की कुछ मूलभूत विशेषताएं होती हैं, जो समय को एक अंतर्निहित एकता प्रदान करती हैं और इसे पहले और बाद के समय से अलग करती हैं। इतिहासकारों की 'साठ के दशक' की परिभाषा महत्त्वपूर्ण सामाजिक और सांस्कृतिक विशेषताओं के एक समूह को दर्शाती है, जो दशक में अच्छी तरह व्यवस्थित नहीं होते हैं। परिभाषित तिथियों और अंतर्निहित विशिष्ट विशेषताओं के एक सुविधाजनक सेट को खोजने के बीच इस तनाव को लेखक जॉर्ज ऑरवेल (1903-1950)

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

ने तब चित्रित किया था, जब उन्होंने स्कूल में अपने इतिहास के पाठों को याद किया था, जहां 1499 में भी मध्य युग में थे।

प्रारंभिक आधुनिक की शुरुआत और इस प्रकार मध्ययुगीन काल का अंत (जिसे मध्य युग भी कहा जाता है) पंद्रहवीं शताब्दी के अंत और सोलहवीं शताब्दी की शुरुआत में हुए मौलिक परिवर्तनों के समूह से जुड़ा हुआ है–

1. विचारों के क्षेत्र में, इस बार प्राचीन ग्रीस और रोम के विद्वानों के लेखन में रुचि का पुनर्जन्म और ज्ञान के आधार के रूप में अवलोकन के उपयोग पर एक नया जोर देखा गया। विकास की इस शृंखला, जिसे पुनर्जागरण कहा जाता है, ने बदले में नए विचारों को जन्म दिया जैसे कि निकोलस कोपरनिकस (1473–1543) द्वारा प्रस्तावित मॉडल के अनुसार सौरमंडल के केंद्र में सूर्य है, जबकि ग्रह इसके चारों ओर घूमते हैं।
2. 1450 के दशक में जोहान्स गुटेनबर्ग (सी. 1398–1468) द्वारा तैयार चल प्रकार का उपयोग करके मुद्रण के विकास से इन नए विचारों के प्रसार में सहायता मिली।
3. सामंती व्यवस्था के तहत भूमि रखने वाले लोगों की संख्या में गिरावट के साथ, अर्थव्यवस्था में भी एक महत्त्वपूर्ण बदलाव आया। सैन्य सेवा या अवैतनिक श्रम के बदले में भूमि तक पहुँच प्राप्त करने के बजाय, किसानों ने माल या पैसे में लगान का भुगतान किया।
4. धर्म में, कैथोलिक चर्च की शक्ति को उसके धर्मशास्त्र और प्रथाओं की आलोचना के माध्यम से चुनौती दी गई, जिससे अंततः नए प्रोटेस्टेंट चर्चों का उदय हुआ।
5. अंत में, लगभग उसी समय, यूरोपीय लोगों ने यूरोप से परे संस्कृतियों की खोज की। सबसे प्रसिद्ध यात्रा वह थी, जो क्रिस्टोफर कोलंबस (1451–1506) के नेतृत्व में थी, जिसने अमेरिका के उपनिवेशीकरण की शुरुआत की थी।

'आधुनिक युग' की शुरुआत से बहुत पहले तक यह अजीब लग सकता है, लेकिन कई मायनों में यह 17वीं और 18वीं शताब्दी की वैज्ञानिक, राजनीतिक और आर्थिक क्रांतियां थीं, जिन्होंने हमारे अपने समाज को सबसे अधिक आकार दिया है।

कला इतिहासकार 17वीं शताब्दी की बारोक शैली का अध्ययन करते हैं। यह कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट के बीच विस्तारित और अक्सर हिंसक संघर्ष का समय था, जो यूरोप के महान राजतंत्रों की बढ़ती शक्ति के कारण और अधिक जटिल हो गया था। यह एक ऐसा समय था जब राष्ट्र आकार, धन और स्वायत्तता में बढ़े थे और जब राष्ट्रीय सीमाओं को कठोर किया गया था। आज हम जिन देशों को जानते हैं (उदाहरण के लिए फ्रांस, स्पेन और इंग्लैंड) यह उपनिवेशवाद का भी दौर था, जब यूरोपीय शक्तियों ने दुनिया के प्राकृतिक संसाधनों और लोगों को अपने फायदे के लिए विभाजित और शोषित किया।

1700 के दशक को अक्सर ज्ञानोदय कहा जाता है। कई मायनों में, यह इतालवी पुनर्जागरण में देखे गए व्यक्ति और प्रोटेस्टेंट सुधार के दौरान अधिक व्यापक रूप से रुचि को आगे बढ़ाता है। रूसो, वोल्टेयर और डाइडरोट जैसे विचारकों ने चर्च जैसे स्थापित संस्थानों की शिक्षाओं पर भरोसा करने के बजाय खुद के लिए तर्क करने की हमारी क्षमता पर जोर दिया। कला इतिहास में हम रोकोको और नियोक्लासिकल शैलियों का अध्ययन करते हैं।

अमेरिकी और फ्रांसीसी क्रांतियाँ इसी काल की हैं। उभरते हुए मध्यम वर्ग (और बाद में मजदूर वर्ग) ने राजनीतिक सत्ता हासिल करने के लिए एक शताब्दियों लंबा अभियान शुरू किया, जिसमें अभिजात वर्ग और राजशाही के नियंत्रण को चुनौती दी गई थी। क्रमिक सुधार आंदोलनों (इस अवधि और 19वीं शताब्दी में) और क्रांतियों ने धीरे-धीरे मताधिकार (मतदान का अधिकार) का विस्तार किया। पहले मताधिकार उन पुरुषों तक सीमित था, जिनके पास जमीन थी या जो करों में एक निश्चित राशि का भुगतान करते थे।

प्रश्न 2. प्रारंभिक आधुनिक पश्चिम के लिए विभिन्न शक्ति केंद्रों के क्या निहितार्थ थे?

उत्तर–पुनर्जागरण प्राचीन ग्रीक और रोमन संस्कृति में रुचि का पुनर्जन्म था। यह यूरोप में विशेष रूप से इटली और उत्तरी यूरोप में आर्थिक समृद्धि का दौर भी था। कला इतिहास में, हम इतालवी पुनर्जागरण और उत्तरी पुनर्जागरण दोनों का अध्ययन करते हैं। हम मानवतावाद नामक दुनिया को देखने के एक तरीके के बारे में बात करते हैं, जो मानव ज्ञान पर अपने सबसे बुनियादी-नए मूल्य पर और प्राचीन ग्रीक और रोमन का उपयोग करके इस दुनिया के अनुभव पर है। इतिहास में कुछ ही क्षण ऐसे होते हैं, जिन्हें हम इंगित कर सकते हैं कि सब कुछ बदल गया। प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार और उसे अपनाना निश्चित रूप से एक था। पुस्तकों की व्यापक उपलब्धता के परिणामस्वरूप, यूरोप में साक्षरता दर में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई।

1517 में एक जर्मन धर्मशास्त्री और भिक्षु, मार्टिन लूथर ने पोप के अधिकार को चुनौती दी और प्रोटेस्टेंट सुधार को बढ़ावा दिया। उनके विचार तेजी से फैल गए। इसी अवधि के दौरान वैज्ञानिक क्रांति शुरू हुई और अवलोकन ने धार्मिक सिद्धांत को ब्रह्मांड और उसे हमारे स्थान के बारे में हमारी समझ के स्रोत के रूप में बदल दिया। कोपरनिकस ने आकाश के प्राचीन ग्रीक मॉडल को यह सुझाव देकर समाप्त किया कि सूर्य सौर मंडल के केंद्र में है और ग्रह इसके चारों ओर परिक्रमा करते हैं। हालांकि, इस सिद्धांत को अवलोकन से मेल खाने के लिए अभी भी समस्याएं थीं। 17वीं शताब्दी की शुरुआत में, कैप्लर ने सिद्धांत दिया कि ग्रह अंडाकार कक्षाओं में चलते हैं (गोलाकार नहीं) और कक्षाओं की गति सूर्य से ग्रहों की दूरी के अनुसार भिन्न होती है।

www.neerajbooks.com